आज का पुरुषार्थ 5 Nov 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *"आज अनुभव करे .. हम कितने पद्मापदम भाग्यवान है .. जो परमपिता स्वयं हमें सुख शान्ति के झूले में झूला रहे है "*

हम सभी इस संसार में पद्मापदम **भाग्यवान** है। भाग्य-विधाता ने स्वयं हमारा भाग्य बनाया है। और वह हमारा पिता है। एक पिता अपने बच्चों का **भाग्य** कैसे लिखेंगे, सोच ले ...

स्वयं **भाग्य-विधाता** हमारा हो गया। उन्होंने भाग्य बनाने की विधि भी हमें बता दी। **याद करें** .. इस जीवन में बाबा से हमें क्या क्या मिला?

अगर हम उन **प्राप्तियों** को याद करे, उन **सुन्दर** scenes को याद करे, उन सुन्दर **अनुभूतियों** को याद करे, जो बाबा के साथ हुई है!

जो **ईश्वरीय** पथ पर कदम रखने से प्राप्त हुई है, तो मन **प्रभु प्रेम** में मगन हो जायेगा। सचमुच दिव्य बुद्धि प्रदान किये है बाबा ने हमें।

सबसे बड़ी बात तो यह हुई कि वह हमारे साथी बन गये है, जीवन-साथी। जीवन की यात्रा पर हमारे साथ चलने वाले साथी।

सबसे बड़ा प्राप्ति .. भगवान ही हमारा हो गया। उन्होंने बहुत सुख दिया। जन्म जन्म के **कष्ट हर लिए।** जो कुछ हमने चाहा था हमने भक्ति में, वह सब उन्होंने दे दिया।

हम तो भूल गये क्या क्या कहा था, उन्हें सब पता था। उन्होंने सब दिया। हमारा **तीसरा नेत्र खोल दिये।** सोचे ...

सत्य ज्ञान के लिए हम तरसते थे, भटकते थे, खोजते रहे .. सत्य स्वयं चलकर हमारे द्वार पर आ गया .. कुछ भी जानना शेष नहीं रहा .. सारी गुट्ठियाँ उन्होंने खोल दी ...

स्वयं वो पढ़ाने आ गया, परम **शिक्षक** बनकर। और परम **सदगुरू** बनकर हमारे हाथ पकड़कर, हमारे जीवन नैया का **खिवैया** बनकर हमारी जीवन नैया को पार किया।

सरलता ला दी जीवन में। हम यह सीख ले कि, उनके हाथों में नैया सौंपकर हम निश्चिंत हो जाये। अपने बोझ सारे उनको देकर हल्का हो जाये।

याद करे बाबा ने **दृष्टि** देकर क्या क्या अनुभव कराये! याद करें उन्होंने क्या क्या वरदान दिये! उन्होंने क्या क्या **शक्तियाँ** मुझे दी है! कौन-सा समय है जब हम उनके मदद के पात्र बन गये?

सचमुच जो कुछ उन्होंने हमारे लिए किया ... हमें अपनी सम्पूर्णता की राह दिखा दी। हमारे **दिव्य स्वरुप** का दिग्दर्शन करा दिया। कितने सुन्दर यह प्राप्तियाँ है? जिन्हें देखने के लिए मन भटकता था, जिनके क्षणिक झलक पाने के लिए तरसते थे, वो हमारे सम्मुख आ गये..

" जो चाहे मुझसे ले लो "

तो अपने इन सुन्दर अनुभवों को याद करके, प्रभु प्रेम में मग्न रहने का अनुभव करे। आज सारा दिन हम याद करते रहेंगे, बाबा ने मुझे क्या क्या दिया है?

पार्सोनली भी हर एक को बहुत कुछ दे दिया है। राजी हो गये भगवान हम पर। बार-बार **याद** करेंगे। और वो राजी होकर कह रहे है ..

" बच्चे, जो चाहे ले लो .. मैं भी तुम्हारा और मेरा सबकुछ भी तुम्हारा "

हम लेते चले। और जैसे बाबा दूसरों के सम्पूर्ण स्वरुप को भी देखता है, उन्हें ख्याल रहता है ..

" वर्तमान स्वरूप इनका जैसा भी हो .. अब वह दिन भी जल्दी आ जायेगा .. जब यह अपने मूल स्वरूप को प्राप्त कर लेंगे "

हम भी एक दूसरे को देखते हुए, आज उनके सम्पूर्ण स्थिति में देखेंगे सबको। कि ..

" आज यह पुरुषार्थी है .. कल यह सम्पूर्ण बन जायेंगे "

और हम सब आत्मायें घर चलेंगे। तो आज अपने प्राप्तियों को याद करते हुए, अपने और दूसरों के सम्पूर्ण स्वरुप का एक विज़न बुद्धि में रखते हुए **अभ्यास** करेंगे।

" *हम सब बाबा के साथ उड़ कर घर जा रहे है .. और पहुँच गए उस चैन और विश्राम की दुनिया में .. जो हमारा अपना घर है .. जहाँ बहुत सुख है* "

कुछ देर वहाँ बैठकर इस सुख की, शान्ति की अनुभूति करेंगे ...

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org